भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

राष्ट्रीय सहारा

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 01.06.2019

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर में आईआईटी बीएचयू बना बड़ा भागीदार

जीआईएस मैपिंग को एमओयू पर हुए दस्तखत

वाराणसी (एसएनबी)। आईआईटी निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने रक्षा औद्योगिक गलियारे और अन्य परियोजनाओं के लिए एसरी इंडिया के साथ संस्थान के एमओयू हस्ताक्षर के बाद पत्रकारों को बताया कि एसरी की जीआईएस मैपिंग तकनीक का उपयोग देश में बड़ी संख्या में सरकारी परियोजनाओं में किया जा रहा है। आईआईटी (बीएचयू) एसरी इंडिया के सहयोग से इस गलियारे और अन्य परियोजनाओं की मैपिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यूपी राज्य में एक जीआईएस कौशल-आधार बनाने में मदद करेगा।

जीआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग भूमि पार्सल, परिवहन बुनियादी ढांचे, सहायक उद्योगों, कच्चे माल की उपलब्धता आदि के मैपिंग के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को आईआईटी (बीएचयू) ने डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर मैपिंग, नमामि गंगे, सागरमाला और स्मार्ट सिटीज जैसी कई सरकारी कार्यक्रमों के लिए कौशल विकास के साथ भूस्थानिक प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने के लिए एसरी इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। प्रो. जैन ने कहा कि इस समझौते के तहत आईआईटी (बीएचयू) और एसरी इंडिया उत्तर प्रदेश समेत पड़ोसी राज्यों में विशिष्ट भू-स्थानिक कौशल, तकनीकी ज्ञान और संसाधनों को विकसित करने के लिए जियोस्पेशियल विशिष्टता के एक केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग करेंगे।

एसरी इंडिया से मिला सहयोग, डिफेंस इंडस्ट्रीयल कारिडोर के लिए राज्य देगा 3000 एकड़ जमीन

नमामी गंगे, स्मार्ट सिटी, सागरमाला प्रोजेक्ट को आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिकों का मिलेगा एक्सपर्ट ओपीनियन

रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रक्षा उपकरण के स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आरंभ की गई एक प्रतिष्ठित परियोजना है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा 3000 एकड़ भूमि रक्षा संबंधित उद्योगों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे आईआईटी बीएचयू स्किल पार्टनर के रूप में जुड़ा है। यह परियोजना राज्य के छह जिलों को कवर करती है। एसरी इंडिया के अध्यक्ष अगेंद्र कुमार ने कहा कि एसरी इंडिया आईआईटी (बीएचयू) के साथ सेंटर ऑफ जियोस्पेशियल एक्सीलेंस बनाने के लिए हुए समझौते से सम्मानित महसूस कर रहा है। जीआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग कई सरकारी कार्यक्रमों में एक आधार के रूप में किया जाता है। भारत में जीआईएस पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने में यह समझौता बेहद कारगर साबित होगा और इससे सरकार की विभिन्न महत्वपूर्ण परियाजनाओं यथा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर मैपिंग आदि के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। कहा कि संस्थान का पुराछात्र आधार भारत समेत विदेशों में फैला हुआ है और पिछले एक सौ वर्षों से यह संस्थान विश्व को विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी ज्ञान प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर प्रो. राजीव प्रकाश और आईआईटी बीएचयू प्रशासन के अन्य वैज्ञानिक मौजूद थे।